Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh

Date-   Class- V
Subject - Hindi Literature   Page- 1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

नवरंग - भाग - 5
पाठ - 10 (कोशिश करने वालों की हार नहीं होती)

सुप्रभात बच्चो !
यह पाठ - 10 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' कक्षा पाँचवी का है। आज इस पाठ में हम सोहनलाल द्विवेदी द्वारा लिखी कविता पढ़ेंगे। यह पाठ आपको 31 अक्तूबर को भेजा जाएगा।

बच्चो! जीवन में निरंतर परिश्रम और कोशिश करते रहने से ही हम आगे बढ़ते हैं। अपनी असफलताओं और कठिनाइयों से बिना घबराए उनसे कुछ सीखकर आगे बढ़ना ही हमें विकास की ओर ले जाता है। हम अपने जीवन में एक नन्हें से जीव से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। स्वयं में साहस और दृढ़विश्वास हो तो लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

1. लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

बच्चो यह कविता सोहन लाल द्विवेदी जी द्वारा लिखी गई है। इसमें वह हमें समझा रहे हैं कि सदा प्रयत्नशील व्यक्ति को जीवन में निश्चित रूप से सफलता मिलती है। जीवन की किसी भी प्रतियोगिता में हमें असफलता से नहीं घबराना

Scanned with CamScanner

__/__/__

Date -   Class - V
Subject - Hindi Literature   Page - 2
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

चाहिए बल्कि लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। जैसे लहरों से डरकर नौका कभी भी सागर को पार नहीं कर सकती। उसे लहरों से टकराना ही पड़ता है।

2. नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना ना अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

बच्चो! कविता की इन पंक्तियों में कवि चींटी के माध्यम से हमें समझा रहे हैं कि छोटी सी चींटी जब दाना लेकर दीवार पर चढ़ती है तो सौ बार गिरती है लेकिन वह हार नहीं मानती है। आत्म-विश्वास के कारण उसकी मेहनत रंग लाती है और वह दीवार पर चढ़ जाती है। उसे दीवार पर चढ़ना और कई बार गिरना बुरा नहीं लगता और आखिर वह चढ़ने में सफल हो जाती है। क्योंकि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

इस प्रकार बच्चो कविता के इस भाग से हमें शिक्षा मिलती है कि जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है। हार जाना या हार जाने का भय हम हथियार डाल देते हैं यह गलत है। हमें अपनी परिस्थितियों का सामना करके आगे बढ़ना चाहिए। किसी ने सही लिखा है:-

मन के हारे हार है,
मन के जीते जीत है।

Scanned with CamScanner

Date- Class - V

Subject- Hindi Literature Page-3

Subject Teacher - Ms. Roma Rani

बच्चो ! आज हमने कविता का आधा भाग पढ़ लिया है। आशा है आपको यह समझ आ गया होगा। अब मैं आपको इसके आधार पर कुछ अभ्यास के लिए प्रश्न पूछूँगी, जिनके उत्तर आप अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न-1. प्रस्तुत कविता के कवि कौन हैं?

प्रश्न-2. चींटी कहाँ चढ़ती और फिसलती है?

प्रश्न-3. चींटी की रगों में कौन साहस भरता है?

प्रश्न-4 कोशिश करने वालों के साथ क्या नहीं होता है?

बच्चो! अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी और आप इन उत्तरों का अपने उत्तरों के साथ मिलान करेंगे।

उत्तर-1. सोहनलाल द्विवेदी

उत्तर-2. चींटी दीवार पर चढ़ती और फिसलती है।

उत्तर-3. चींटी की रगों में मन का विश्वास साहस भरता है।

उत्तर-4. कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

गृह कार्य :- बच्चो! आप इस कविता के पृष्ठ-80 में आए शब्द-अर्थ अपनी हिन्दी साहित्य की उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।

आप प्रश्न-1 प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें करने की कोशिश करेंगे।

Last page

Scanned with CamScanner